मैं तेरा शुकर करूँ | By Sheetal Pandey

मैं तेरा शुकर करू
मैं तेरा ज़िकर करू
काहे फिकर करू

आँखें नम हो जाएँ माँ जब
बीते कल का ज़िकर करू
अपना आज जो देखूं मैया
हर पल तेरा शुकर करू
मैं तेरा शुकर करू
मैं तेरा ज़िकर करू
काहे फिकर करू
चरणों शीश धरु

बड़ी सुनी है मैया मैंने
इस दुनिया की बातें
श्रद्धा भाव से करता रहा माँ
मैं तेरे जगराते
भक्ति में शक्ति है अम्बे
यही सोच के सबर करू
अपना आज जो देखूं मैया
हर पल तेरा शुकर करू
मैं तेरा शुकर करू
मैं तेरा ज़िकर करू
काहे फिकर करू
चरणों शीश धरु

सच्ची ज्योत में मैया मैंने
दर्शन तेरे पाए
जिसको आसरा तेरा दाती
वो काहे घबराये
तू ही तू दिखती है मैया
मैं जहाँ पर नज़र करू
अपना आज जो देखूं मैया
हर पल तेरा शुकर करू
मैं तेरा शुकर करू
मैं तेरा ज़िकर करू
काहे फिकर करू
चरणों शीश धरु

माँ तेरे आँचल की शीतल
छाया मैंने पाई
सुख सागर की बरखा अम्बे
तूने है बरसाई
इतनी कृपा चाहे तानु
अच्छे वक़्त की कदर करू
अपना आज जो देखूं मैया
हर पल तेरा शुकर करू

मैं तेरा शुकर करू
मैं तेरा ज़िकर करू
काहे फिकर करू
चरणों शीश धरु

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%81-by-sheetal-pandey/